आज ही के दिन इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने 1868 में टेवॉड्रोज द्वितीय की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गये, जबकि सिर्फ दो ब्रिटिश-भारतीय सैनिक शहीद हुए।



दैनिक भास्कर
शुक्रवार 10 अप्रैल 2020 देहरादून

# आरोग्य सेतु देगा कोरोना की जानकारी

## विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने कृषि सलाह के अन्तर्गत किसानों को दी कोरोना संक्रमण की जानकारी

भास्कर समाचार सेवा

**अल्मोड़ा।** विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा द्वारा किसानों को कृषि सलाह के तहत बताया कि कोरोना महामारी ने हमारे देश में भी दस्तक दे दी है और तेजी से मरीजों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में छोटे शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसके प्रसार की संभावनाएं प्रबल हो रही है। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 'आरोग्य सेतु' ऐप लांच किया है। यह ऐप यूजर को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर जानकारी देगा।

यह स्मार्टफोन के लोकेशन डेटा और ब्लूटूथ के जरिए यूजर को बताता है कि वे कोरोना वायरस से संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में आए थे या नहीं। इसके साथ ही इसकी मदद से आप कोरोना वायरस के लक्षण को पहचान सकते हैं, इससे बचाव हेतु जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं। यह ऐप अन्य थर्ड पार्टी ऐप के साथ आपका डाटा साझा नहीं करता है अतः पूरी तरह सुरक्षित है। वर्तमान दशा में सभी कृषक, कृषि से संबंधित अत्यधिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। सौभाग्यवश

कृषि की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुये केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा कृषि को आवश्यक सेवाओं में सम्मिलित करते हुये कई छूटों का प्रावधान किया गया है जिस हेतु अनुमति प्रत्येक जिले में कृषि हेतु स्थापित कृषि कन्ट्रोल रूम में संपर्क स्थापित कर प्राप्त की जा सकती है। आप अपने जिले के कृषि कंट्रोल रूम के बारे में निकटस्थ कृषि विभाग के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। इन छूटों में सबसे महत्वपूर्ण है कृषकों तथा कृषि श्रमिकों को कृषि कार्य हेतु जाने की छूट परन्तु इन सभी को कोरोना वायरस से बचाव हेतु समय-समय पर निर्गत निर्देशों को पालन करना होगा जिससे वह बिमारी से ग्रस्त न हो सकें। कोविद-19 के फैलने के खतरे के बीच पर्वतीय क्षेत्र के कृषकों को निम्नलिखित सलाह दी जाती है। गेहूं की फसल में जहां पर इस समय बाली निकल रही है अथवा जहाँ निकली हुई बालियों में दूध पड़ना प्रारम्भ हो गया है वहाँ पर सिंचाई की थोड़ी बहुत सुविधा उपलब्ध है तो वहाँ पर एक सिंचाई अवश्य कर दें जिन क्षेत्रों में गेहूं, जौ, मटर, सरसों, मसूर आदि फसल पक रही है इनकी कटाई शीघ्र करें ताकि खेतों में दानों को झड़ने से रोका जा सके। गेहूँ की फसल में यदि कुछ बालियों में कालापन दिखाई पड़े, तब इन कन्डुवाग्रस्त पौधों को सावधानीपूर्वक उखाड़ कर बाहर निकाल दें और किसी गड्ढे में दबा दें या फिर जलाकर नष्ट कर दें। गेहूं में यदि पीला रतुवा रोग दिखायी दे तो प्रोपेकोनाजोल 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। ध्यान रहे अगले वर्ष संस्तुत रोगरोधी किस्मों की बुवाई ही करें। गेहूँ के बीजोत्पादन वाले खेतों में रोगिंग कर दें।

इस प्रक्रिया में अवांछित पौधों को जड़ सहित उखाड़कर खेत से बाहर निकाल दें और नष्ट कर दें। जो किसान खरीफ की बुवाई हेतु खेतों की तैयारी कर रहे हैं वे गोबर अथवा कम्पोस्ट की भली प्रकार सड़ी हुई खाद धान्य फसलों में 2 कुन्तल व सब्जियों में 4 से 6 कुन्तल प्रति नाली की दर से प्रयोग करें। मादिरा की वीएल मादिरा 207, विलायती कद्दू की आस्ट्रेलियन ग्रीन इल्यादि, फ्रांसबीन की वीएल बीन 2, कन्टेन्डर, पंत अनुपमा आदि किस्मों की बुवाई करें। जिन क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वहां हरे भुट्टों की बिक्री हेतु मक्का की अगेती सेकर किस्मों विवेक संकर मक्का 45 एवं विवेक संकर मक्का 53 व संकुल किस्मों विवेक संकुल मक्का 31 एवं विवेक संकुल मक्का 35 की बुवाई करें।

स्वीट कॉर्न व बेबी कॉर्न की खेती करने वाले कृषक सीएमवीएल स्वीट कॉर्न 1 एवं सीएमवीएल बेबी कॉर्न 2 की बुवाई कर सकते हैं। टमाटर की सामान्य किस्मों में वीएल टमाटर 4, शिमला मिर्च की वीएल शिमला मिर्च 3 व कैलीफोर्नियां वन्डर, बैंगन की पंत सम्राट एवं पंत रितुराज, में से जिसकी भी तैयार पौध उपलब्ध हो, रोपाई करें।

बुवाई अथवा रोपण से पूर्व बीजों व पौध को संस्तुत दवाओं से उपचारित करें। सिंचित अथवा सीमित सिंचाई वाली अवस्था में मिर्च की पौध की रोपाई करें। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में मटर की फसल में चूर्णिल आसिता, गेरूई तथा सफेद विगलन रोग का प्रकोप हो सकता है। चूर्णिल आसिता रोग, जिसमें पत्तियों, फलियों व तनों पर सफेद पाउडर जैसी फफूँद दिखाई देती है, की रोकथाम हेतु सल्फेक्स या गन्धक का 0.2 प्रतिशत या डायनोकैप का 0.05 प्रतिशत घोल बनाकर फसल पर छिड़कावकरें।

सफेद विगलन का प्रकोप होने पर जिसमें पौधे के ग्रसित भाग के ऊपर तथा अन्दर काले रंग के गोल दाने बन जाते हैं, की रोकथाम हेतु कार्बेण्डाजिम का 0.1 प्रतिशत घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें। प्याज व लहसुन की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप होने पर मैंकोजेब का 0.25 प्रतिशत घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें। जैविक दशा में पछेती गोभी में गोभी की तितली का प्रकोप होने पर उसकी रोकथाम हेतु नीम के बीज का 5 प्रतिशत या बतैन के बीज का 10 प्रतिशत घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।

यदि टमाटर, शिमला मिर्च व बैंगन आदि की पौध पौधशाला में तैयार की जा रही हो और उसमें आर्द्रगलन रोग के लक्षण दिखाई पड़े जिसमें पौध के तने का मार गलने लगता है तो उसकी रोकथाम हेतु थाइरम 75 डब्ल्यू. एस. या कैप्टान 50 डब्ल्यू. पी 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास जमीन को भली प्रकार तर कर सकते हैं। आलू, मिर्च, गोभी, बैंगन, कद्दू वर्गीय सब्जियों एवं टमाटर आदि सब्जियों को कटवर्म अथवा कटुआ कीट भारी क्षति पहुँचाता है।

इसकी सुडियां काले या मटमैले रंग की होती हैं, जो दिन में जमीन में छिपी रहती हैं तथा रात्रि में कोमल तनों को खाती है व उसे काट देती हैं। इसका प्रकोप होने पर क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. का 2 मिली. मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से पौधों के चारों ओर मिट्टी को भली प्रकार तर कर दें।

छायादार वृक्षों के नीचे अदरक, हल्दी व गडेरी, पिनालू, आदि की बुवाई करें। कद्दू, लौकी, खीरा, तोरई व करेला आदि की बुवाई करें। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा किसानों को यह भी सलाह देता है कि कोविड-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिये प्रक्षेत्र कार्य में हर कदम पर सामाजिक दूरी रखना, साबुन से हाथ धोना, चेहरे पर मास्क लगाना तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाये रखना, इन सभी सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक है।

खेत में काम करते समय सभी लोग फेस मास्क लगाये रखें और समय-समय पर साबुन से हाथ धोयें। इसके साथ ही औजारों व मशीनों को उपयोग से पहले व उपयोग के बाद सैनिटाइज अवश्य करें।

विश्व में फैला है आज कोरोना,
हो निडर इसका मुकाबला करो ना।
जिंदा हो अभी, जीते जी तुम मरो
है छुपे शत्रु से युद्ध, मिलकर लड़ो
अपनी जिद पर तुम अभी अड़ो ना,
सरकारी निर्देशों का पालन करो ना,
मुमकिन हो तो वर्क फ्रॉम होम क
किसी भी मुश्किल में बेवजह पड़ो
जान है तो जहां है, यह पाठ पढ़ो ना,
अनजाने में भी कोई भूल करो ना।
रखो हाथों को हमेशा स्वच्छ,
सेनेटाइजर का इस्तेमाल करो ना।
एक दूजे से रहो 3 फीट दूर,
और मुंह पर मास्क का प्रयोग करो ना।

विश्व में फैला है आज
हो निडर इसका मुका

अमित अग्रवाल
डा. एपीजे अ
राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थ

## कुमाऊं समाचार

### ड्रोन की मदद से रखी जायेगी लोगों प

**बनबसा (भास्कर समाचार सेवा)।** लॉक डाउन को स
लिए क्षेत्र में पुलिस ने ड्रोन कैमरे से नजर रखनी शुरू कर
क्षेत्राधिकारी सीमा पंत ने बताया कि ड्रोन के जरिये नगरी
प्रक्षेत्र कार्य में हर कदम पर
सामाजिक दूरी रखना, साबुन से
हाथ धोना, चेहरे पर मास्क लगाना
तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाये
रखना, इन सभी सुरक्षा उपायों का
पालन करना आवश्यक है।
खेत में काम करते समय सभी लोग
फेस मास्क लगाये रखें और समय-
समय पर साबुन से हाथ धोयें।
इसके साथ ही औजारों व मशीनों
को उपयोग से पहले व उपयोग के
बाद सैनिटाइज अवश्य करें।

घनी बस्तियों में भी ड्रोन के जरिए निगरानी करने में का
रही है। पुलिस द्वारा मुख्य बाजार, मीना बाजार आदि के
पंचायत के वार्ड नंबर 1 से 7 तक ड्रोन कैमरे के जरिए नि
रही है। उधर राशन कार्ड धारकों को 2 माह का राशन
से सस्ते गल्ले की दुकानों पर काफी भीड़ उमड आई। भ
हुए पुलिस ने सस्ता गल्ला धारकों की दुकान पर पहुंच
सोशल डिस्टेंसिंग में रहकर खरीदारी करने की हिदाय
बावजूद सस्ते गल्ले की दुकानों पर लोग सोशल डिस्टेंसि
करते नही दिखाई दिये। प्रशासन ने प्रवासी श्रमिकों के लि
पूर्णागिरी इंटर कालेज, शारदा इंटर कालेज, जनता जूनि
चंदनी आदि में राहत शिविर बनाये हुए है जिनमे खाने-पीन